आज की अव्यक्त मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ --------- Date:28-12-14

हम आत्माओं को नये वर्ष में सफलता का वरदान देते हुए बापदादा ने कहा, नये वर्ष में यह विशेष स्मृति इमर्ज करो कि सब तरफ से सफलता मुझ श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्मा का अधिकार है ही. ब्राह्मणों की जन्म पत्री में है कि सफलता ब्राह्मणों का जन्म सिद्ध अधिकार है. अधिकारी आत्माओं को यह सोचने की आवश्यकता नहीं है, वर्सा मिलना ही है. इसी हिम्मत में, निश्चय में, नशे में अमर भव.

बापदादा बच्चों में क्या देखते है?

बापदादा ने देखा कि मैजोरिटी बच्चों में यही उमंग-उत्साह है कि इस वर्ष में नवीनता करके ही दिखायेंगे. चाहे स्व के परिवर्तन में, चाहे सेवा की सफलता में, चाहे हर आत्मा को शुभ भावना, शुभ कामना द्वारा परिवर्तित करने में उमंग भी अच्छा है, उत्साह भी बहुत अच्छा है. साथ-साथ हिम्मत भी यथा शक्ति है.

नये वर्ष के लिए बापदादा का वरदान -

बच्चों प्रति बापदादा ने वरदान देते हुए कहा, बापदादा ऐसे हिम्मत वाले बच्चों को उनके एक श्रेष्ठ संकल्प के पीछे पदमगुणा मदद अवश्य देते हैं. हिम्मत से सदा आगे बढ़ते चलो. कभी भी स्व प्रति वा अन्य आत्माओं प्रति हिम्मत को कम नहीं करना क्योंकि यह नवयुग है ही हिम्मत रखने से उड़ने का युग, वरदानी युग, पुरुषोत्तम युग, डायरेक्ट विधाता द्वारा सर्व शक्तियां वर्से में सहज प्राप्त होने का युग. कोई भी कार्य आरम्भ करते हो चाहे स्व पुरुषार्थ, चाहे विश्व सेवा, सदा हिम्मत और बापदादा की मदद द्वारा निश्चय है ही कि स्व पुरुषार्थ में वा सेवा में सफलता हुई पड़ी है. होना ही है. असम्भव, सम्भव होना ही है क्योंकि यह युग सफलता का युग है. तुम ब्राह्मणों की जन्म पत्री में है की सफलता तुम्हारा जन्म सिद्ध अधिकार है. नये वर्ष में यह विशेष स्मृति इमर्ज करो कि सब तरफ से सफलता मुझ श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्मा का अधिकार है ही. इस निश्चय से, रुहानी नशे से उड़ते चलो. निश्चय बुद्धि सदा हर कार्य में विजय है ही. ऐसे निश्चय बुद्धि ब्राह्मण आत्मा के मस्तक पर विजय के

तकदीर की लकीर सदा है ही. विजय का तिलक सदा ही तुम बच्चों के मस्तक पर चमकता रहेगा. इसलिए इस वर्ष को सदा विजयी वर्ष अनुभव करते चलो.

बापदादा के वरदान को अपने प्रति सफल करने की विधि --

बापदादा ने बच्चों को कहा, सिर्फ अपनी हिम्मत को इमर्ज करो. तुम बच्चों में हिम्मत समाई हुई है क्योंकि तुम ही मास्टर सर्वशक्तिमान हो. सदा अपने में यह पक्का निश्चय रखो कि हम ही कल्प-कल्प की विजयी आत्मा ये है. यह निश्चय होगा तो नशा जरूर रहेगा. निश्चय की निशानी नशा है और नशे की निशानी निश्चय है, दोनों में आपस में सम्बन्ध है. यह नशा और निश्चय ही तुम्हें संकल्प में भी मेहनत से मुक्त कर देगा.

बापदादा ने बच्चों प्रति वरदान देते हुए कहा - इसी हिम्मत में, नशे में, निश्चय में अमर भव. तुम्हारी हिम्मत, नशा और निश्चय सदा इमर्ज रुप में रहे.

नये वर्ष में बच्चों को क्या करना है?

बापदादा ने कहा, सभी ब्राह्मण आत्माओं को आपस में एक-दूसरे प्रति दिल-खुश मिठाई बाटना. एक-दूसरे प्रति कोई न कोई गुण, शक्तियां और शुभ भावना, शुभ कामना की गिफ्ट देना. आपसे में एक-दूसरे को खुशी कि ग्रिटींग्स देना.

विश्व-परिवर्तक की व्याख्या है -- जो सदा हर एक को परिवर्तन कर विश्व परिवर्तक का कार्य साकार में लाता है वही साकार रुप में २१ जन्म की गैरन्टी से राज्य अधिकारी बनता है. उसका आक्यूपेशन ही है - विश्व परिवर्तन करना. वह दाता बन सर्व को गुण, शक्तियां, खुशी, शुभ-भावना, शुभ-कामना का दान देता रहता है.

ॐ शांति.

Feedback / queries / questions / thoughts send to Atma bhai on a.brahmin.soul@gmail.com .